

डॉ. फ्रेड पुटनम, भजन, व्याख्यान 2

© 2024 फ्रेड पुटनम और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. फ्रेड पुटनम भजनों की पुस्तक पर चार में से दूसरा व्याख्यान प्रस्तुत कर रहे हैं। डॉ. फ्रेड पुटनम।

हमारे पहले व्याख्यान में, आपने शायद देखा होगा कि मैंने कई बार स्तोत्र शब्द के साथ-साथ कविता शब्द का इस्तेमाल किया और यहां तक कि बाइबिल के कवियों के बारे में भी बात की।

ये आजकल एक बड़ा सवाल है. संभवतः पिछले 25 वर्षों से इस बात पर बहस चल रही है कि बाइबिल में वास्तव में कविता है या नहीं। और क्योंकि मुझे लगता है कि जिस तरह से हम भजनों के साथ-साथ अन्य काव्य अंशों को पढ़ते हैं, उस पर इसके बहुत बड़े निहितार्थ हैं, मैं उस पर थोड़ी चर्चा करना चाहूंगा और सबसे पहले, इस बारे में बात करना चाहूंगा कि कविता से हमारा क्या मतलब है? और दूसरी बात, क्या भजन और बाइबिल के अन्य अंश वास्तव में काव्यात्मक हैं? और फिर अंत में पूछें कि इसके कुछ निहितार्थ क्या हैं? तो, पहला सवाल, कविता क्या है? खैर, आप इसे लगभग उतने ही तरीकों से परिभाषित कर सकते हैं जितने आपको लेखक मिलते हैं।

उदाहरण के लिए, रॉबर्ट फ्रॉस्ट ने कहा, एक महान कविता का अच्छा पाठक उसे पढ़ते ही तुरंत जान जाता है कि उसे एक ऐसा अमर घाव लगा है जो वह कभी नहीं भर पाएगा। एमिली डिकिंसन ने कहा कि आप मुझसे पूछते हैं कि कविता क्या है या मुझे कैसे पता चलेगा कि यह कविता है? मैं जवाब देता हूँ कि अगर मुझे ऐसा लगता है जैसे मेरे सिर का ऊपरी हिस्सा हटा दिया गया है, या अगर मैं इतना ठंडा हूँ कि कोई आग मुझे गर्म नहीं कर सकती, तो मुझे पता है कि वह कविता है। क्या कोई और तरीका है? और इस तरह की कई अन्य परिभाषाएँ हैं, जो आप देखते हैं कि कविता या पाठ का पाठक पर क्या प्रभाव पड़ता है, इस पर जोर दिया गया है।

यह एक कविता को परिभाषित करने का एक प्रकार का दृष्टिकोण है। यह मुझे ऐसा महसूस कराता है जैसे यह एक कविता है, तो यह एक कविता है। इसे परिभाषित करने का दूसरा तरीका लेखक की मंशा के बारे में पूछना है।

तो, हम कुछ कविताएँ पढ़ते हैं, मुझे लगता है कि आधुनिक कविता में, शायद नई आलोचना के समय से, टीएस एलियट के समय से, दूसरे के बाद से, प्रथम विश्व युद्ध के बाद से। और वे बस गद्य प्रतीत होते हैं जिन्हें पुनर्व्यवस्थित किया गया है। इसलिए यह पेज पर थोड़ा अलग दिखता है।

वास्तव में, वहाँ एक प्रसिद्ध बेसबॉल उद्घोषक है। मैं न्यू इंग्लैंड से हूँ, इसलिए मैं यांकीज़ की जय-जयकार नहीं करता। लेकिन रेड सॉक्स मेरी गति से अधिक हैं।

लेकिन फिल रिजुटो एक कमेंटेटर थे, न्यूयॉर्क यांकीज़ के लिए एक नाटक कमेंटेटर। और लगभग 10 साल पहले, दो लोगों ने उनकी प्ले-दर-प्ले कमेंट्री की प्रतिलेख ली, छोटे-छोटे खंडों को काटकर पृष्ठ पर पुनः व्यवस्थित किया, और इसे कविता की पुस्तक के रूप में बेच दिया।

अब, फिल रिज़्जुटो कविता में बात नहीं कर रहे थे, उनका कविताएँ रचने या कवि होने या कुछ और करने का कोई इरादा नहीं था।

और इसलिए, सवाल यह है कि क्या इससे वे कविता बन जाती हैं? क्योंकि कोई कहता है, यह एक कविता है, क्या इससे यह एक हो जाती है? तो, दूसरा बिंदु यह है, या दूसरा दृष्टिकोण यह है कि यह लेखक के इरादे में है। यदि लेखक कहता है कि यह एक कविता है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम इसके बारे में क्या सोचते हैं। पहला यह कि इसका हम पर क्या प्रभाव पड़ता है? तीसरा, कविता को परिभाषित करने का तीसरा तरीका, जो थोड़ा अधिक तटस्थ और शायद वैज्ञानिक होने की कोशिश करता है, अगर उस शब्द को कविता पर लागू किया जाना चाहिए, तो कहता है कि हम एक कविता को पहचानते हैं क्योंकि यह अलंकारिक उपकरणों का उपयोग करता है, हम उसके बारे में बात करेंगे थोड़ी देर बाद, इनका उपयोग सभी भाषाओं में होता है, लेकिन कविता में इनका बहुत अधिक उपयोग होता है।

और इसलिए, कविता संकुचित भाषा है। यह एक ऐसी भाषा है जहां हर एक शब्द को चुना जाता है, सिर्फ इसलिए नहीं कि इसका क्या मतलब है, बल्कि इसलिए कि यह क्या सुझाता है, यह कैसा लगता है, यह दूसरे शब्दों पर कैसे फिट बैठता है, शायद इसलिए कि यह कविता के मूड में कैसे फिट बैठता है ताकि हर बार एक कविता में, लेखक यह चुन रहा है कि कौन सा शब्द यहाँ सबसे उपयुक्त है। वास्तव में, एक बहुत ही दिलचस्प प्रयोग ऑनलाइन होना है, विल्फ्रेड ओवेन की कविता को समर्पित एक वेबसाइट है, जो प्रथम विश्व युद्ध के अंग्रेजी कवि थे।

और जब आप उनकी कविता पढ़ते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे वह बिल्कुल वैसी ही हैं, गद्य को पुनर्व्यवस्थित किया गया है, इसके छोटे-छोटे टुकड़े काव्यात्मक लगते हैं, लेकिन यह सिर्फ पैराग्राफ की तरह लगता है जिन्हें थोड़ा सा काट दिया गया है और टुकड़ों में काट दिया गया है। लेकिन जब आप पांडुलिपियों को देखते हैं, और वेबसाइट पर वास्तव में उनकी पांडुलिपियों की तस्वीरें होती हैं, तो आपको पता चलता है कि उन्होंने पंक्तियाँ लिखीं, उन्हें काट दिया, और कुछ पंक्तियाँ उन्होंने तीन, चार, पाँच, छह बार लिखीं, ताकि भले ही ऐसा लगे वह सिर्फ गद्य लिख रहा है, वह स्पष्ट रूप से प्रत्येक स्थान पर जाने के लिए सही शब्द खोजने के लिए संघर्ष कर रहा है। और इसलिए, जब हम देखते हैं कि उन्होंने शब्दों को कैसे चुना है, और देखते हैं कि उन्होंने अपने लेखन को कितनी सघनता से पैक किया है, तो हमें एहसास होता है, हाँ, ये एक तरह से कविताएँ हैं जैसे काव्यात्मक-लगने वाले पाठ भी नहीं हैं।

तो, कुछ लोग कहेंगे कि अब्राहम लिंकन के दूसरे उद्घाटन भाषण का अंत, जहां वह कहते हैं, सभी के प्रति उदारता के साथ, किसी के प्रति द्वेष के साथ, सही काम करने के दृढ़ संकल्प के साथ क्योंकि भगवान हमें सही देखने की शक्ति देते हैं, या विंस्टन चर्चिल, खून, पसीना, आँसुओं के अलावा देने के लिए कुछ नहीं है, अन्यथा हम उनसे समुद्र तटों पर लड़ेंगे, हम उनसे गलियों में लड़ेंगे, हम उनसे गाँवों में लड़ेंगे। क्या वह कविता है? खैर, यह निश्चित रूप से बहुत काव्यात्मक लगता है, लेकिन उनका कविता लिखने का इरादा नहीं है। और संपूर्ण अंश, संपूर्ण भाषण, या संपूर्ण निबंध, या जो कुछ भी हो, वह कविता नहीं है।

इसे न तो एक के रूप में प्रस्तुत किया गया है, न ही इसे एक के रूप में लिखा गया है। तो, हम पाते हैं कि यह परस्पर क्रिया वास्तव में तीन कारकों की है। एक है पाठक पर प्रभाव, एक है लेखक का इरादा, और तीसरा है जिस तरह से भाषा का प्रयोग किया जा रहा है।

वास्तव में, रोमन जैकबसन, जो एक प्रसिद्ध साहित्यिक आलोचक और संरचनात्मक दार्शनिक हैं, ने कविता, या भाषा के काव्यात्मक कार्य के बारे में बात की, जैसा कि उन्होंने कहा, सातवां कार्य, उन्होंने ज्ञान का संचार करना, किसी को प्रेरित करना, भाषा के सात बुनियादी कार्यों की पहचान की। कुछ करना, किसी को एक निश्चित तरीके से महसूस कराना, इत्यादि। लेकिन उन्होंने कहा कि काव्य समारोह भाषा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए है ताकि कवि एक पेपर लिखने वाले व्यक्ति की तुलना में कहीं अधिक जानबूझकर एक शब्द चुन सके। मैं जानता हूँ कि हम सभी जानबूझकर शब्दों का चयन करते हैं, यह सच है और जैकबसन भी यह जानते थे।

वह इसमें बात नहीं कर रहे हैं, उनका मतलब यह नहीं है कि कवि ही शब्दों का चयन सावधानी से करते हैं, बल्कि कविता में उन विकल्पों का महत्व बढ़ जाता है और कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। और हमें याद रखना होगा कि महत्व केवल यह नहीं है कि शब्द का क्या अर्थ है, या वाक्यांश या वाक्य का क्या अर्थ है, बल्कि इसका क्या अर्थ है, यानी, अन्य संघ क्या हैं जो सामने आते हैं क्योंकि उसने उस शब्द का उपयोग किया था। मैं आपको एक त्वरित उदाहरण देता हूँ।

यदि कोई आपको आमंत्रित करता है, या यदि आप किसी को अपने घर पर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित करते हैं, तो आप कह सकते हैं, आप हमारे यहाँ क्यों नहीं आते? या आप कह सकते हैं, अरे, आओ और हमारे नए महल का दौरा करो। या आप कह सकते हैं, ठीक है, यह एक प्रकार का झोपड़ा है, लेकिन फिर भी आपका स्वागत है। अब, स्थान, महल और कुटिया, तीन बहुत अलग शब्द हैं, जिनके तीन बहुत अलग संबंध हैं।

संभवतः, जब आप ऐसा कहते हैं, यदि आप महल शब्द का उपयोग करते हैं, तो जिस व्यक्ति से आप बात कर रहे हैं वह सोचता है कि आप मजाक कर रहे हैं, और ऐसा है, वे जानते हैं कि आप ऐसी जगह पर नहीं रहते हैं जो पत्थर से बना है, जो खाई से घिरा हुआ है ड्रेगन और कालकोठरी और उस सब के साथ। लेकिन उन्हें यह अंदाज़ा हो जाता है कि आपने अभी-अभी एक, शायद एक बड़ा नया घर खरीदा है। आपको इस पर गर्व है।

आप इसे लेकर उत्साहित हैं, या आपने कुछ बदल दिया है। लेकिन अगर आप मेरा होवेल कहते हैं, तो निश्चित रूप से हममें से अधिकांश के लिए इसका बहुत सकारात्मक अर्थ नहीं है। हम सोचते हैं, क्या मुझे अपने साथ कुछ सानी वाइप्स ले जाने की ज़रूरत है? या क्या मुझे इसकी आवश्यकता है, क्या मैं यहां जाने का साहस कर सकता हूँ? क्या मैं वह कुछ भी खाना चाहता हूँ जो यह व्यक्ति परोसता है? जबकि स्थान शब्द बहुत ही सहज है।

वास्तव में इसके बहुत सारे अर्थ नहीं हैं। इसमें शायद सबसे कम संगति है, सबसे कम संगति है। और इसलिए कवि लगातार अपनी संगति के लिए शब्दों का चयन कर रहे हैं।

आइए मैं आपको एक बहुत ही संक्षिप्त कविता सुनाता हूँ। इसे 19वीं सदी की ईसाई कवयित्री क्रिस्टीना रोसेटी ने लिखा है। ये चार पंक्तियाँ हैं।

यह सिंग सॉन्ग नामक पुस्तक से है, जो बच्चों की कविताओं की एक पुस्तक है जो उन्होंने लिखी थी। भारी क्या हैं? समुद्र की रेत और दुःख. संक्षिप्त क्या हैं? आज और कल।

कमज़ोर क्या हैं? वसंत के फूल और यौवन। गहरे क्या हैं? क्रिस्टीना रोसेटी द्वारा महासागर और सत्य। उसने किया क्या है? खैर, सबसे पहले, यह वास्तव में मेरे लिए बच्चों के लिए एक कविता की तरह नहीं लगती है, या शायद बहुत विचारशील बच्चों या उन बच्चों के लिए जिन्हें आप विचारशील बनाना चाहते हैं।

उसने कई चीजें की हैं। सबसे पहले, प्रत्येक पंक्ति में एक ही पैटर्न, एक प्रश्न और एक उत्तर होता है। प्रत्येक उत्तर में एक ही पैटर्न, दो अलग-अलग संज्ञाएं हैं।

प्रत्येक पंक्ति उन्हीं दो शब्दों से शुरू होती है, क्या हैं। एक छंद है, दुःख है, कल है, यौवन है, और सत्य है। एक मीटर है, क्या भारी हैं? समुद्र की रेत और दुःख.

संक्षिप्त क्या हैं? आज और कल वगैरह वगैरह. और ये तस्वीरें हैं. इस पर ध्यान दें, समुद्री रेत एक भौतिक चीज़ है।

सत्य नहीं है. आज, हम जानते हैं कि आज का अस्तित्व इसलिए है क्योंकि हम यहां हैं। हम कल के बारे में कुछ नहीं जानते.

वसंत के फूल भौतिक चीजें हैं। यौवन नहीं है, गुण है। सागर भी एक भौतिक वस्तु है.

सत्य नहीं है. और उसने इन सभी चीजों को एक साथ रखा है। ध्वनि, जिसे हम अनाफोरा कहते हैं, जो तब होती है जब कई पंक्तियाँ एक ही शब्द या अभिव्यक्ति से शुरू होती हैं, दूसरे शब्दों में दोहराव, पैटर्न, दो शब्दों के उत्तर वाला प्रश्न, मीटर, छवि।

उसने उन सभी को एक बहुत ही सरल विचार लेने के लिए एक साथ रखा है और इसे कहीं अधिक गहराई से प्रतिध्वनित किया है, अगर वह ऐसा कुछ कहती, तो आप जानते हैं, दुःख वास्तव में कठिन हो सकता है। जीवन संक्षिप्त है और वास्तव में युवाओं की तरह कमज़ोर है। और समुद्र वास्तव में गहरा है.

मेरा मतलब है, या सत्य वास्तव में गहरा है। क्या वह कह सकती थी, क्या फर्क है? खैर, अंतर यह है कि भाषा का पैटर्न, उसका संपीड़न, वह जिन चित्रों का उपयोग करती है, वे इसे बहुत सामान्य या यहां तक कि घिसे-पिटे बयानों की एक श्रृंखला से सोचने के तरीके में बदल देते हैं जो हमें प्रभावित करता है और किसी भी अन्य की तुलना में कहीं अधिक गहराई से संचार करता है। चार सूत्री रूपरेखा होगी. यहाँ एक और उदाहरण है.

हम कविता और गद्य के बीच अंतर के बारे में बात करते हैं। यदि हम न्यायाधीशों की पुस्तक की ओर मुड़ें, तो हम न्यायाधीश चार और पाँच में बहुत परिचित अंश पाते हैं। जज चार डेबोरा और बराक और सिसरो या यविन के साथ युद्ध की कहानी है, जो कनान का राजा है और सिसरो उसका सेनापति है।

और अध्याय पाँच में, हमारे पास उसी घटना के बारे में एक कविता है, एक गीत जिसे डेबोरा और बराक ने उस दिन गाया था। मैं बस इन दो अध्यायों से कुछ छंद पढ़ने जा रहा हूँ और देखूंगा कि क्या आप बता सकते हैं कि कौन सी कविता है और कौन सी गद्य कथा है। यह तब होता है जब सिसरो, सेनापति सेना से भाग गया और वह अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा था और उसे एक तम्बू दिखाई देता है और वह येल नाम की एक महिला के पास जाता है और उससे अपनी रक्षा के लिए मदद मांगता है।

तो, यह जज 4.18 में शुरू हो रहा है। वह उसकी ओर तंबू में चला गया। उसने उसे किसी प्रकार के कपड़े, गलीचे, कंबल या किसी चीज़ से ढक दिया। और उस ने उस से कहा, मुझे थोड़ा पानी पिला दे, क्योंकि मैं प्यासा हूँ।

इसलिए, उसने दूध का एक बर्तन खोला और उसे पीने के लिए दिया और फिर उसे ढक दिया। और उस ने उस से कहा, तम्बू के द्वार पर खड़ी रह, और यदि कोई आकर तुझ से पूछे, और कहे, क्या यहां कोई है, कि तू न कहेगी, परन्तु येल हेवर की स्त्री ने तम्बू की खूंटी ली, हाथ में हथौड़ा रखा, और चुपचाप चली गई। उसके पास गया और खूंटी को उसके मंदिर में गाड़ दिया और वह जमीन में समा गयी क्योंकि वह गहरी नींद में था और थका हुआ था। तो वह मर गया।

वह एक खाता है। यहाँ दूसरा खाता है। महिलाओं में सबसे धन्य येल है, जो कनानी हेवर की पत्नी है।

तम्बू में रहने वाली स्त्रियों में से वह सबसे अधिक धन्य है। उसने पानी माँगा। उसने उसे दूध दिया।

वह एक शानदार कटोरे में उसके लिए दही लेकर आई। उसने तंबू की खूंटी के लिए अपना हाथ बढ़ाया और उसके दाहिने हाथ ने कारीगर का हथौड़ा पकड़ लिया। फिर उसने सिसरो पर प्रहार किया।

उसने उसका सिर फोड़ दिया। वह टूट गयी और उसने उसके मंदिर में छेद कर दिया। वह उसके पैरों के बीच झुक गया, वह गिर गया, वह लेट गया।

उसके पैरों के बीच, वह झुका, वह गिर गया। जहाँ वह झुका, वहीं गिरा, नष्ट हुआ। वे बिल्कुल एक जैसे नहीं लगते, है ना? एक ही घटना का वर्णन करें, लेकिन जो हो रहा है उसके बारे में सोचने के भी दो अलग-अलग तरीके।

तो, हम कहते हैं, अच्छा, हम उन्हें क्या कहेंगे? और जो लोग इस बारे में बहस करते हैं कि क्या बाइबिल में कविता है, वे कहना चाहते हैं, ठीक है, दूसरा यह है कि हम उसे उच्च भाषा कहेंगे। ठीक है, यदि आप इसे एक शब्द देने जा रहे हैं, उच्च भाषा है, तो हम इसे एक कविता भी कह

सकते हैं क्योंकि यह निश्चित रूप से बहुत अधिक काव्यात्मक लगती है, या कम से कम इसमें कविता की कुछ समान विशेषताएं हैं। यह संपीड़न, छवियों का यह उपयोग, यह, हिब्रू में, यह पुनरावृत्ति, जो बहुत मानक है, जैसा कि हम देखेंगे, बाइबिल कविता के लिए बहुत सामान्य है।

और फिर भी हम पूछ सकते हैं कि जो कुछ हुआ उसकी अधिक सटीक तस्वीर कौन सी है? निश्चित रूप से कथा हमें वास्तविक कहानी बताती है और कविता हमें इसकी एक कलात्मक व्याख्या देती है। और आप जानते हैं, मुझे लगता है कि कभी-कभी बाइबिल में कविता होने के बारे में सोचने में हमारी झिझक होती है, क्योंकि हम काव्य लाइसेंस, या शेक्सपियर शब्द सुनते हैं, जो कहते हैं, और उनके चरित्र में कई बार कहा गया है, सभी कवि झूठे हैं। और हमें यह गुप्त संदेह है कि कवि वास्तव में बिल्कुल ईमानदार तरीके से व्यवहार नहीं करते हैं।

हम ड्रगनेट जैसे तथ्य चाहते हैं। लेकिन जब हम उन्हें देखते हैं, यदि हम सभी न्यायाधीशों 4 और सभी न्यायाधीशों 5 को पढ़ते हैं, और यदि हम उन चीजों को उजागर करते हैं जो उनमें समान हैं, तो उनमें शायद ही कुछ भी समान है। वे वास्तविक कथन हैं।

अधिकांश चीजें जो उनमें समान हैं वे उचित नाम और स्थान और अंग्रेजी अनुवाद में लेख, या ए, या ए, या कुछ जैसी चीजें हैं। बहुत कम घटनाओं का वर्णन एक ही तरह से किया गया है, या यहां तक कि एक में वर्णित किया गया है और दूसरे में पूरी तरह से छोड़ दिया गया है। तो, कविता के अध्याय पाँच के अंत में, हमारे पास सीज़र की माँ के बारे में यह कहानी है जो सोच रही थी कि उसका बेटा कहाँ है और उसका नौकर कह रहा है, अरे नहीं, नौकर लड़की कह रही है, चिंता मत करो, वह वापस आ जाएगा और वह अपने साथ बहुत सारा माल और लूट-खसोट लाएगा और फिर हम जो चाहेंगे वह हमें मिलेगा।

खैर, यह अध्याय चार में बिल्कुल भी नहीं है। क्या सचमुच ऐसा हुआ? या क्या दबोरा और बराक ने इसे यूँ ही बना लिया? खैर, सबसे पहले, हम कहते हैं कि हम बाइबिल पर भरोसा कर सकते हैं। और इसलिए हमारी धारणा यह है कि यदि वे इसका वर्णन करते हैं, तो इसका मतलब है कि प्रभु ने उन्हें यह बताया, या उन्होंने एक कनानी को पकड़ लिया और उसने कहा, हाँ, शायद इस समय महल में यही हो रहा है, या ऐसा ही कुछ।

हालाँकि, उन्हें उनकी जानकारी मिल गई, हम नहीं जान सकते, लेकिन हम कहते हैं, ठीक है, हाँ, हम जा रहे हैं, यह हुआ। लेकिन दोनों कहानियों के बीच अंतर, रे, कौन सा अधिक सटीक विवरण है या कौन सा हमें बताता है कि वास्तव में क्या हुआ था? दरअसल, इसका उत्तर यह है कि वे दोनों ऐसा करते हैं। बात बस इतनी है कि वे एक ही घटना को दो अलग-अलग तरीकों से देखते हैं।

यह उचित तुलना नहीं है। ठीक है। इसलिए कृपया मैं जो कहने जा रहा हूँ उसका गलत अर्थ न निकालें, लेकिन यह सुधार के बारे में इतिहास की पाठ्यपुस्तक लिखने वाले किसी व्यक्ति और पाठ्यपुस्तक का अध्ययन करने वाले एक छात्र और फिल्म देखने जा रहे एक ही छात्र, मार्टिन लूथर के बीच का अंतर है।

अब फिल्म कुछ ऐसी ही बातें बताती है। अब, निश्चित रूप से, मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म में एक लाइसेंस, कलात्मक लाइसेंस होता है, और देखिए, यही चीज़ हमें कविता के बारे में भी परेशान करती है। वही बात, है ना? खैर, आप वास्तव में उस पर भरोसा नहीं कर सकते।

और आप सही हैं। फिल्म में सबकुछ, वे आपको यह भी बताते हैं कि इनमें से कुछ चीज़ें बनाई गई हैं। यह काल्पनिक है।

बातचीत बनी हुई है। हम उस पर भरोसा नहीं कर सकते। पाठ्यपुस्तक एक तरह से संचार करती है।

इसका लक्ष्य x, y और z मात्रा की जानकारी कम से कम शब्दों में प्राप्त करना है ताकि पाठ्यपुस्तक प्रकाशक प्रति पुस्तक जितना संभव हो उतना पैसा कमा सके, है ना? संक्षिप्त, लेकिन सारी जानकारी के साथ। तो, छात्र के पास वह सब कुछ है जो उसे परीक्षा उत्तीर्ण करने, स्नातक होने, नौकरी पाने आदि के लिए चाहिए। फिल्म इसलिए बनाई गई है ताकि आप पूरी फिल्म के दौरान बैठे रहें और थिएटर छोड़कर अपने पैसे वापस न मांगें।

आप इसे देखना चाहेंगे और इसका आनंद लेंगे। और आप चले जा रहे हैं, शायद यह भी सोचते हुए कि क्या हुआ। पाठ्यपुस्तक वास्तव में इस बात की परवाह नहीं करती कि आप कैसा महसूस करते हैं।

पाठ्यपुस्तक का लक्ष्य यह है कि आपको इस जानकारी की आवश्यकता है। मैं इसे तुम्हें देने जा रहा हूँ। फिल्म कहती है कि मैं आपका मनोरंजन करने जा रहा हूँ।

जज 4 कहते हैं, ठीक है, यहाँ लड़ाई का विवरण है। फोकस बराक की भूमिका और उसकी आज्ञाकारिता या आज्ञा मानने में उसकी झिझक और येल की भूमिका पर है। यहाँ उसी युद्ध के बारे में एक कविता है।

कविता का फोकस इस बात पर है कि इसराइल की जनजातियाँ युद्ध में शामिल हुईं या नहीं। तो, एक लंबी सूची है, जो आगे-पीछे जाती है और कहती है, एप्रैम से, वे नीचे आए। बेंजामिन नीचे आये।

लेकिन फिर आगे कहता है, एक सेकंड रुको, रूबेन नहीं आया। गिलाद के गोत्र यरदन के दूसरी ओर रहे। डैन वहीं रुके जहाँ वे थे।

आशेर वहीं रुका जहाँ वे थे। परन्तु जबूलून और नप्ताली ने अपना प्राण जोखिम में डाला। उसका कोई हिसाब नहीं।

आपने अध्याय चार में पढ़ा है कि बराक माउंट गिल्बोआ और माउंट ताबोर पर चढ़ गया और ये सभी लोग उसके पीछे आ गए। यह सब यही कहता है। इसी प्रकार अध्याय पाँच में हम यह पाते हैं कि तारे स्वयं स्वर्ग से लड़े।

अब अध्याय चार में, यह कहा गया है कि प्रभु ने बराक के सामने सीज़र और उसके रथों और उसकी सेना को तलवार की धार से हरा दिया। और कैसर अपने रथ से उतर कर भाग गया। लेकिन हम देखते हैं कि इस्राएलियों के रथ, जो दिखाए गए हैं, जो वास्तव में एक काफी छोटी धारा है, उसके किनारों पर पानी भर गया, जिससे जमीन गंदी हो गई, जिससे ये सभी रथ, ये 500 लोहे के रथ, फंस गए और अब कोई फायदा नहीं रह गया, लेकिन वास्तव में कनानियों के लिए एक नुकसान था।

यदि वे इस्राएलियों के पैदल सैनिकों को पराजित करने के लिए अपने रथों का उपयोग करने पर भरोसा कर रहे थे, तो अचानक उनका लाभ समाप्त हो गया। और इसलिए, लड़ाई के लिए उनकी रणनीति विफल हो जाती है। और सीज़र, एक चतुर कमांडर होने के नाते, सावधान रहता है, जानता है कि यह एक आपदा है, और अपने जीवन के लिए भागता है।

लेकिन वह हमें गद्य वृत्तान्त से नहीं मिलता। तो, कवि, गायक, गायक, देवोराह और बराक, हमें इन घटनाओं के बारे में अपने अनुभव का एक दृष्टिकोण देते हैं जो जजों की बाकी किताब के लेखक के दृष्टिकोण से बहुत अलग है। और दोनों खाते एक दूसरे के पूरक हैं।

वे एक साथ काम करते हैं और वे हम पर अलग-अलग तरीकों से काम करते हैं। यह कविता के दूसरे पहलू की ओर इशारा करता है। और वह यह है कि एक कविता, यह सिद्धांत शायद 600 साल पुराना है, जब सर फिलिप सिडनी ने कविता का बचाव किया था।

उन्होंने कहा कि कवि वास्तव में स्वर्णिम संसार की रचना करते हैं। उन्होंने कहा, आप जानते हैं, यदि आप गणितज्ञ या खगोलशास्त्री या रसायनज्ञ हैं, तो आपके पास कोई विकल्प नहीं है। आपको जो मिला है उससे काम करना होगा।

आप तारे या रसायन या तत्व या अन्य चीज़ें नहीं बना सकते। आपको बस उसके साथ काम करना है जो वहां है। लेकिन एक कवि के रूप में उन्हें एक सुनहरी दुनिया रचने को मिलती है।

और फिर कविता पाठक को इस दुनिया में प्रवेश करने के लिए आमंत्रित करती है जिसे कवि ने बनाया है। अब कवि जानता है कि यह सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड नहीं है। यह एक अलग है, यह एक अलग दुनिया है।

इसलिए कविताएँ सत्य का संचार करती हैं, लेकिन वे व्याख्यात्मक गद्य या प्रस्तावों के सेट की तार्किक समझ की तुलना में एक अलग तरीके से सत्य का संचार करती हैं। ताकि कोई भी कविता कभी भी पूरा सच बताने की कोशिश न करे. आप जानते हैं, हमने एक भजन पढ़ा है और हम कुछ ही मिनटों में इसे और अधिक विस्तार से देखेंगे।

परन्तु यदि हम भजन 121 जैसा भजन पढ़ते हैं, तो मैं अपनी आँखें पहाड़ों की ओर उठाता हूँ, मेरी आशा कहाँ से आती है? आदि। उस स्तोत्र से खुद को दूर करना आसान होगा, यह वादा करता है कि जो कोई भी प्रभु का है उसके साथ कभी भी कुछ भी बुरा नहीं होता है। क्योंकि वह यही कहता है।

जो तुम्हें रखता है वह तुम्हारा पैर फिसलने नहीं देगा। उसे नींद नहीं आएगी। वह आपके दाहिने हाथ पर आपकी छाया है।

वह तुम्हें सभी बुराईयों से बचाएगा। वह आपकी आत्मा की रक्षा करेगा, बाहर जाने पर आपकी रक्षा करेगा। आप अभी से और हमेशा से आ रहे हैं।

और ऐसा लगता है कि जो कोई भी प्रभु का है उसके साथ संभवतः कुछ भी बुरा नहीं हो सकता। लेकिन कवि का संपूर्ण धर्मशास्त्र का वर्णन करने का कोई इरादा नहीं है। वह केवल आठ छंदों या 15 पंक्तियों में काम कर रहे हैं।

इसलिए, वह हर चीज़ को शामिल करने की कोशिश नहीं कर रहा है। इसके बजाय, वे कहते हैं, आइए प्रभु और उसके लोगों के बीच के रिश्ते के बारे में इस तरह सोचें। हां, वे सभी अन्य चीज़ें मौजूद हैं।

आप सही हैं, बाकी सभी चीज़ें मौजूद हैं। और ऐसे बहुत से भजन हैं जो होने वाली परेशानियों के बारे में बात करते हैं। मेरा मतलब है, यदि आप किसी आपदा के बीच में नहीं हैं तो भगवान से आपको आपदा से बचाने के लिए प्रार्थना करने का कोई कारण नहीं है।

या कवि कह रहा है, पानी मेरी गर्दन तक जा रहा है, पानी मुझे लगभग बहा ले गया है, आदि। खैर, उसे इन बातों की कोई चिंता नहीं है। वह जो करना चाहता है वह यह सोचना है कि ईश्वर को एक चौकीदार के रूप में सोचने का क्या मतलब है? इसका क्या मतलब है जब हम हमारी रक्षा और संरक्षण में ईश्वर की भूमिका पर विचार करते हैं? वह किस तरह का दिखता है? और इसलिए वह इसी पर ध्यान करता है।

इसलिए, हमें बहुत ध्यान से पढ़ना होगा। फिर हमें उन सभी तरीकों की तलाश में पढ़ना होगा जिनसे कवि ने अपनी कविता को संपीड़ित किया है या अपने संदेश को संपीड़ित किया है और उसने उस कविता को अर्थ के साथ कैसे पैक किया है। लेकिन साथ ही, हमें सावधान रहना होगा कि हम यह न मान लें कि कविता हमें किसी भी चीज़ के बारे में सब कुछ बताने की कोशिश करती है।

इसके बजाय, यह खिलवाड़ है, जैसा कि मैंने पहले व्याख्यान में कहा था, वास्तविकता के कुछ पहलू, भगवान, उसके साथ हमारा रिश्ता, दुनिया, दूसरों के साथ हमारा रिश्ता, कुछ इसी तरह। इसलिए, जब हम अंग्रेजी में कविता के बारे में सोचते हैं, और मैं एक पल के लिए अंग्रेजी का उपयोग कर रहा हूँ क्योंकि मैंने अभी शिक्षण में पाया है कि यदि आप बाइबिल की कविताओं के साथ कविता के बारे में बात करना शुरू करते हैं, तो हर कोई धर्मशास्त्र के साथ बहस करना चाहता है। वे कविता के बारे में बात नहीं करना चाहते।

इसलिए, मैं पहले कविता के बारे में बात करना चाहूंगा, और फिर हम इस बारे में बात कर सकते हैं कि इसका वास्तव में क्या मतलब है। लेकिन अंग्रेजी के बारे में सोचो। हम एक कविता को पहचानते हैं क्योंकि इसमें लय और छंद है, पृष्ठ पर इसके लेआउट से, छंदों में विभाजित होने से।

वाक्य हो सकते हैं, लेकिन वाक्य पंक्ति के अंत में नहीं रुकते। हो सकता है वे आगे बढ़ते रहें। तो, हर तरह की चीज़ें।

बाइबिल कविता में, वास्तव में कोई लय नहीं है। लोग हर समय इसके बारे में बहस करते हैं, लेकिन वास्तव में जिस तरह से हम अंग्रेजी में इसके बारे में सोचते हैं उसमें कोई लय नहीं है। कोई तुक नहीं है।

एक या दो बार, ऐसी जगहें होती हैं जहां आपको ऐसे शब्द मिलते हैं जो एक ही ध्वनि के साथ समाप्त होते हैं, लेकिन उनमें कोई पैटर्न देखना बहुत ही असामान्य है। वहाँ वास्तव में छंद नहीं है। यानी, जब आप कविता की एक किताब खरीदते हैं, तो उसमें खाली पंक्तियाँ होती हैं, और इसलिए आठ पंक्तियाँ, और एक खाली पंक्ति, और आठ पंक्तियाँ, और एक खाली पंक्ति हो सकती है।

मेरा मतलब है, आप उन्हें अपनी अंग्रेजी बाइबिल में देखेंगे, लेकिन यह संपादक का निर्णय है। हमारे पास जो पांडुलिपियाँ हैं उनमें ऐसा नहीं किया गया है। यह या तो केवल अनुवादक और संपादक है, या कुछ मामलों में, हिब्रू बाइबिल के संपादक हैं, और अनुवादक बस उसका अनुसरण कर रहे हैं।

और हम पाते हैं कि बाइबिल की कविता में, पंक्ति वाक्य एक पंक्ति से दूसरी पंक्ति तक न जाकर पृष्ठ के नीचे जाते रहते हैं। प्रत्येक पंक्ति का अपना उपवाक्य या अपना वाक्य होता है। कुछ अपवाद हैं, लेकिन एक नियम के रूप में, यह सच है।

तो ये अंग्रेजी और बाइबिल कविता के बीच बहुत बड़े अंतर हैं। लेकिन साथ ही, बुनियादी समानताएं ही उन दोनों को काव्यात्मक बनाती हैं। संपीड़न, यह विचार कि भाषा, प्रयुक्त शब्द बहुत जानबूझकर चुने गए हैं।

लगभग हम हेरफेर की गई भाषा के बारे में बात कर सकते हैं। मुझे वह पसंद नहीं है। यह शब्द लोगों को बाइबिल के बारे में ऐसा सोचने से घबरा देता है।

लेकिन शब्दों का चयन कर लिया गया है और भाषा का प्रयोग ऐसे तरीकों से किया जा रहा है जो बहुत ही आकर्षक हैं। आप जानते हैं, यह दिलचस्प है कि यदि आप हिब्रू का अध्ययन करते हैं, या शायद मुझे इसे इस तरह से कहना चाहिए, जब आप हिब्रू का अध्ययन करते हैं, तो आप बाइबिल की कहानियों को पढ़ने के संदर्भ में सोच सकते हैं। और मध्य तक, आपके पहले सेमेस्टर के अंत तक, यहां तक कि आपके पहले सेमेस्टर के मध्य तक, आपको जोसेफ या अब्राहम या कुछ और की कहानी के माध्यम से अपना काम शुरू करने में सक्षम होना चाहिए।

लेकिन फिर आप खुद से कहते हैं, इसमें इतना मज़ा क्यों है? मुझे लगता है कि मैं एक भजन पढ़ने जा रहा हूँ। और आप भजन की पुस्तक की ओर मुड़ते हैं, और यह एक अलग भाषा की तरह है।

अचानक जो चीजें वहां होनी चाहिए वे वहां नहीं हैं। और जो चीजें वहां हैं वे बिल्कुल वैसी नहीं दिखती या वैसी नहीं लगती जैसी उन्हें होनी चाहिए। खैर, क्या आप जानते हैं कि यदि आप कविता पर लेख के लिए एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका खोलते हैं, तो यह कहता है, कविता भाषा का दूसरा उपयोग है।

और कुछ आलोचक काव्य भाषा के बारे में उसकी संस्कृति की भाषा के भीतर अपनी स्वयं की भाषा के रूप में भी बात करते हैं। तो वहाँ अंग्रेजी भाषा है, फिर अंग्रेजी कविता की भाषा है। और इससे उनका तात्पर्य केवल शब्दों के चयन से नहीं है, जैसे कि मैंने तुम्हें देखा था, या ऐसे शब्दों का उपयोग करना जो पुराने या पुराने लगते हों, या अक्सर इस तरह की बातें करते हों।

उनका यह मतलब नहीं है. उनका मतलब है कि भाषा का उपयोग करने, विचारों को व्यवस्थित करने, वाक्यों को व्यवस्थित करने, चित्रों को एक साथ रखने का पूरा तरीका इतिहास या दर्शन या कार्बनिक रसायन विज्ञान की किताबों में जो मिलता है उससे अलग है। तो, कविता वास्तव में एक बहुत ही अलग भाषा है क्योंकि यह वह भाषा है जो कवि की ओर से आत्म-सचेत रूप से हेरफेर की जाती है।

और हम दोनों में अन्य चीजें भी पाते हैं जो दोनों में समान हैं, इसलिए जिसे अमासिया पर पार कहा जाता है, या हम उन्हें वाक्य के रूप में सोचते हैं, लेकिन ऐसे शब्दों का उपयोग करना जो एक जैसे लगते हैं या ऐसी ध्वनियों का उपयोग करते हैं जो एक-दूसरे को प्रतिबिंबित करते हैं, अंग्रेजी कविता ऐसा बहुत कुछ करती है. तुकबंदी तो यही है ना? दुःख और कल, यौवन और सत्य। हिब्रू कविता भी यही करती है।

बेशक, अनुवाद में हम उसे खो देते हैं। यह सिर्फ अनुवाद की लागत है। दोनों में बहुत दोहराव है.

यह काफी सामान्य है. और ये दोनों लाइन दर लाइन व्यवस्थित हैं. इसलिए अंग्रेजी कविता में भी जहां एक वाक्य पंक्तियों के पार जाता है, सवाल यह है कि वाक्य पंक्ति के पार क्यों जाता है? यह क्यों रुकता और शुरू होता है? एक सवाल यह है कि यह जहां रुकता है और जहां रुकता है वहीं से शुरू क्यों होता है? और ये दोनों ही कल्पना पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

वास्तव में, मौली पीकॉक नाम की एक महिला की एक अद्भुत छोटी किताब है जिसका नाम है हाउ टू रीड ए पोएम एंड स्टार्ट ए पोएट्री सर्कल। कविता वाचन मंडल, मैं उपशीर्षक के बारे में निश्चित नहीं हूँ, जिसमें वह कहती है कि यह एक बहुत ही उपयोगी कुंजी है जब हम एक कविता के साथ संघर्ष कर रहे हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि यह क्या कह रही है, वह वास्तव में यह कहती है। वह अपनी किताब में अलग-अलग बिंदुओं पर तीन अलग-अलग बातें कहती हैं।

एक बार वह कहती है कि बस कविता को पढ़ो और सभी संज्ञाओं को सूचीबद्ध करो, कविता के माध्यम से सभी संज्ञाओं की सूची क्रम से लिखो। कभी किसी स्तोत्र के लिए ऐसा करो. मुझे लगता है, आप काफी आश्चर्यचकित होंगे।

दूसरी बात यह है कि कविता में सभी क्रियाओं को सूचीबद्ध करें क्योंकि क्रियाएँ हमें बताती हैं कि क्या हो रहा है। तो, संज्ञाएँ हमें बताती हैं कि यह किस बारे में है। क्रियाएँ हमें बताती हैं कि क्या हो रहा है।

सभी क्रियाओं की सूची बनाएं। और फिर, कभी-कभी कुछ कविताएँ, संज्ञाएँ मदद करेंगी, कुछ कविताएँ, क्रियाएँ मदद करेंगी। और फिर तीसरी बात जो वह कहती है वह है एक कविता को पढ़ना और कविता में मौजूद सभी छवियों को सूचीबद्ध करना।

और महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें क्रम से सूचीबद्ध किया जाए क्योंकि कवि ने उन्हें इसी प्रकार व्यवस्थित किया है। और इसलिए हम कविता के माध्यम से उसके संज्ञाओं, उसकी क्रियाओं, उसकी छवियों के संदर्भ में सोचते हैं, क्योंकि इसी तरह संबंध चलता है। कविता का तर्क वास्तव में इसी तरह काम करता है।

क्योंकि जब हम आत्म-जागरूक भाषा के बारे में बात करते हैं तो हमारा यही मतलब होता है। और वास्तव में, बाइबल में कविता उतनी ही आत्म-जागरूक है। अब आप में से कुछ, मैं इसे कैमरे के माध्यम से लगभग सुन सकता हूँ, कह रहे हैं, ओह, एक सेकंड रुकिए, यह तकनीकी होने जा रहा है।

आप सिनेकडोचे और रूपक, उपमा और अनाफोरा जैसे शब्दों और इस तरह की चीजों का उपयोग शुरू करने जा रहे हैं, है ना? खैर, हाँ, उनमें से कुछ। लेकिन तकनीकी भाषा का उपयोग करने का क्या मतलब है? यदि आप सुपर बाउल देख रहे हैं और कमेंटेटर कहता है, ओह, वे इसका उपयोग कर रहे हैं, ओह, यह एक क्वार्टरबैक ड्रा था, यह तकनीकी भाषा है, है ना? या यदि आप ओलंपिक देख रहे हैं और वे बात करते हैं, और यहां मुझे नहीं पता कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ, डबल एक्सल। मेरा मतलब है, मुझे पता है कि इसका मतलब है कि वे हवा में उछल गए और दो बार बनाम एक डबल या कुछ और के आसपास चले गए।

वह तकनीकी भाषा है, है ना? और फिर भी जब खेल या यहां तक कि संगीत की बात आती है तो हम भयभीत नहीं होते हैं, शायद यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी रुचि किसमें है। तो, हम कह सकते हैं कि एडैगियो थोड़ा धीमा था, या फोर्ट थोड़ा बहुत नरम था, या फोर्टिसिमो काफी तेज़ था, बहुत-बहुत धन्यवाद। और हम ऐसी भाषा का उपयोग कर रहे हैं जो हमें यह समझने में मदद करती है कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं।

यह हमें एक आम भाषा देता है, जो वास्तव में शब्दजाल और अंदरूनी बातचीत से आती है। हमें उन सभी शब्दों का उपयोग किए बिना चीजों को संप्रेषित करने की आवश्यकता है जिनकी हमें किसी और को समझाने के लिए आवश्यकता है। हमें इसे संक्षिप्त कम्पास में कहने का कोई तरीका निकालना होगा।

तो यह कहने के बजाय कि कविता, वाटर हेवी, से शुरू होती है, इसमें चार पंक्तियाँ हैं, जिनमें से प्रत्येक एक ही तरह से शुरू होती है, हम बस यह कह सकते हैं, ओह, पूरी कविता एनाफोरिक है, शब्दों को बचाएं, जगह बचाएं। और हम ठीक-ठीक जानते हैं कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि जब मैं कहता हूँ कि प्रत्येक पंक्ति एक ही तरह से शुरू होती है तो हम इसका

उपयोग कर रहे हैं, आप कह सकते हैं, अच्छा, क्या इसका मतलब यह है कि वे बड़े अक्षर से शुरू होते हैं? क्या इसका मतलब यह है कि वे एक ही शब्द, एक ही वाक्यांश से शुरू होते हैं? खैर, अनाफोरा हमें बताता है कि हम जिस बारे में बात कर रहे हैं वह एक समान अभिव्यक्ति है। निश्चित रूप से, हम कुछ तकनीकी भाषा का उपयोग करते हैं, लेकिन किसी भी चीज़ का अध्ययन करने का यही तरीका है।

और वास्तव में, तकनीकी भाषा हमें बाइबिल की कविताओं के बारे में भी इस तरह से सोचने का एक तरीका देती है, जैसा शायद हमने पहले कभी उनके बारे में नहीं सोचा हो। तो, हम भजन 113 जैसे एक भजन में महसूस करते हैं, जो फिर से भावपूर्ण है, यहोवा की स्तुति करो, यहोवा के सेवकों की स्तुति करो, यहोवा के नाम की स्तुति करो, फिर से उसी से शुरू होता है। और फिर हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि, ओह, यह एक अनफोरा है।

कवि ऐसा क्यों करेगा? इसका उद्देश्य क्या है? कविता के अर्थ के संबंध में इसका क्या कार्य है? यह वास्तव में कैसे काम कर रहा है? अब, इसका एक हिस्सा आपने शायद पहले ही नोटिस कर लिया है कि मुझे हमारी मदद करने, अपनी मदद करने, आपको कविताएँ ध्यान से पढ़ना सीखने में मदद करने में बहुत दिलचस्पी है। यह जो कहता है उस पर ध्यान देने के लिए खुद को मजबूर करने के तरीकों के बारे में सोचना, यह सोचना कि यह इसे इस तरह क्यों कहता है, यह इसे कैसे कहता है, और यह उस विशेष पद्धति का उपयोग क्यों करता है। टीएस एलियट ने कविता पढ़ने पर एक बहुत प्रसिद्ध निबंध में कहा है कि हम भागते हैं, या हम एक तरह से रस्सी पर चलते हैं।

एक ओर, ऐसे लोग हैं जो एक बार कविता पढ़ते हैं और कहते हैं, वे इसका प्रभाव लेकर आते हैं। और वे कहते हैं, ओह, हाँ, ठीक है। वह कविता एक्स, वाई, जेड के बारे में है। तो, कोई भजन 23 पढ़ता है और कहता है, ओह, यह आरामदायक है।

और वे चले जाते हैं। दूसरे प्रकार का दृष्टिकोण उन सभी चीज़ों का विश्लेषण करना है जिनका विश्लेषण किया जा सकता है। प्रत्येक पंक्ति में कितने शब्द हैं? प्रत्येक पंक्ति में कितने अक्षर हैं? कितनी पंक्तियाँ हैं? यह क्यों है, यह कैसा है, सभी संज्ञाओं, सभी क्रियाओं, सभी छवियों को सूचीबद्ध करना, और हर चीज़ का विश्लेषण करना और हर चीज़ को एक तकनीकी लेबल निर्दिष्ट करना।

अब, एलियट उन दोनों के साथ एक समस्या की ओर इशारा करता है। सबसे पहले, आकस्मिक धारणा अक्सर गलत होती है। मैं तुम्हें बता सकता हूँ; मैंने ऐसे कई उपदेश सुने हैं जहाँ मैं यह बता सकता हूँ कि वह व्यक्ति एक आकस्मिक धारणा के आधार पर उपदेश दे रहा था।

उन्होंने वास्तव में किसी पाठ का अध्ययन नहीं किया था, लेकिन वे एक उपदेश या संदेश की तलाश में थे। और इसलिए, उन्होंने कुछ पढ़ा और इसने उन्हें कुछ और सोचने पर मजबूर कर दिया। और इसलिए, फिर उन्होंने उस अंश, उस भजन का एक डाइविंग बोर्ड की तरह उपयोग किया और वे उस विषय पर पहुंच गए जिसके बारे में वे वास्तव में बात करना चाहते थे।

और कई बार इसका भजन से कोई लेना-देना नहीं होता। इसलिए, हम ग़लत पढ़ सकते हैं क्योंकि हम पाठ को पर्याप्त गंभीरता से नहीं लेते हैं। दूसरी ओर, हम पाठ को इस हद तक अपने विश्लेषण के अधीन कर सकते हैं कि हम भूल जाते हैं कि हम किसी और का पाठ पढ़ रहे हैं।

और हम इसका विश्लेषण इस तरह से करते हैं कि यह केवल बोर्ड पर चिपकाने और प्रदर्शित करने के लिए एक नमूना बन जाता है। मैं अपने संप्रदाय के लिए कई वर्षों तक एक समन्वय समिति में था, और हमें छात्रों से कागजात मिलते थे। और मुझे भजनों पर उन छात्रों के पेपर याद हैं जो स्पष्ट रूप से अपने ग्रेड के आधार पर बहुत सक्षम थे, और यहां तक कि पेपर में उनके द्वारा कही गई बातों पर भी, जिन्होंने भजन में सब कुछ, भजन के हर काव्यात्मक पहलू का वर्णन किया था जिस पर आप संभवतः टिप्पणी करना चाह सकते थे। यदि वे वास्तव में महत्वाकांक्षी थे तो आमतौर पर हिब्रू और अंग्रेजी में, कभी-कभी ग्रीक में भी नोट किया जाता था, टिप्पणी की जाती थी।

लेकिन फिर वे आपको यह बताना भूल गए कि इनमें से कोई भी बात क्यों मायने रखती है। और यहां तक कि कभी-कभी कविता किस बारे में थी कि विश्लेषण अंत बन गया। एक प्रारंभिक वक्ता, रोमन वक्ता किंटिलियन ने कहा, खतरा विश्लेषण में फंसता जा रहा है।

टीएस एलियट का कहना है कि यह एक समस्या है। दूसरी ओर, यदि हम धर्मग्रंथ पढ़ रहे हैं, तो हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम वास्तव में वही पढ़ रहे हैं जो बाइबल कहती है। आप देखिए, यदि हम किसी चर्च या बाइबल अध्ययन या कॉलेज या मदरसा में जा रहे हैं और धर्मशास्त्र या धर्म या बाइबिल का अध्ययन कर रहे हैं, तो आपके और मेरे सामने आने वाली चुनौतियों में से एक यह है कि हमने बहुत से लोगों को हमें यह कहते हुए सुना है। भजन 119 का क्या अर्थ है, या अय्यूब 6 वास्तव में किस बारे में है, या कोई अन्य अनुच्छेद क्या है।

और इसलिए जब हम पाठ पर आते हैं, तो हम लगभग भजन 1 को नहीं पढ़ पाते हैं। यह हमारे असली चश्मे को पहनने या उतारने और एक जोड़ी धूप का चश्मा लगाने और फिर दर्पण वाले धूप का चश्मा की एक और जोड़ी लगाने जैसा है, और फिर हो सकता है कि आंखों की पुतलियों के साथ कुछ अजीब चश्में जो बाहर गिरे हुए हों और उसके माध्यम से पढ़ने की कोशिश कर रहे हों। यह थोड़ा अतिशयोक्ति है।

लेकिन हम हर चीज़ को अपने रास्ते में आने देते हैं। और इसलिए, हम पढ़ रहे हैं और हम उपदेशक की आवाज सुन रहे हैं। हम कमेंट्री की आवाज सुन रहे हैं।

हम छात्रावास में बुल सेशन की भी आवाज सुन रहे हैं। तो, लक्ष्यों में से एक, कारणों में से एक, लक्ष्य नहीं, प्रेरणाओं में से एक, बहुत सावधान रहने और कविता में हर चीज़ को पढ़ने और ध्यान देने की कोशिश करने का कारण यह है कि मैं वास्तव में भजन 113 पढ़ना चाहता हूँ। मैं इसकी केवल एक छाप लेकर दूर नहीं जाना चाहता।

और मैं इसे केवल वही नहीं पढ़ना चाहता जो बाकी सभी ने कहा है। वे सभी सही हो सकते हैं. वह ठीक है।

लेकिन कविता पढ़ने के लिए, विचार करने के लिए, अपने मन में खेलने के लिए होती है, जैसे कवि कविता लिखते समय विचारों के साथ खेलता है। आप जानते हैं, धर्मग्रंथ के प्रति हमारे दृष्टिकोण में, मुझे लगता है कि अक्सर हम इस विचार में आते हैं कि बाइबल का उद्देश्य जानकारी संप्रेषित करना है। और यह निश्चित रूप से सच है।

बाइबल के माध्यम से हमें बहुत सारी जानकारी मिलती है जो हम किसी अन्य तरीके से नहीं जान पाते। उदाहरण के लिए, हिजकिय्याह का पिता कौन था? यह जानने का कोई अन्य तरीका नहीं है। उसका बेटा कौन था? उनका वंशज कौन था? खैर, यह अच्छा है कि हमारे पास बाइबल है ताकि हम उस तरह की चीजें जान सकें।

लेकिन हमें एक सवाल तो पूछना ही पड़ेगा। भगवान बहुत सीमित दायरे में क्यों काम करेंगे, मेरा मतलब है, बाइबिल, एक काफी बड़ी बाइबिल है। इसके अलावा ये करीब 1600 पेज का है।

खैर, मेरी लाइब्रेरी में शेक्सपियर की प्रतियां हैं जिनमें बहुत छोटे प्रिंट वाले पृष्ठों की संख्या दोगुनी से भी अधिक है। यदि मैं विंस्टन चर्चिल के सभी लेखन को हटा दूं, तो कई गुना अधिक पन्ने हैं। विश्व साहित्य के दायरे में बाइबिल वास्तव में एक काफी छोटी किताब है।

तो, हमें खुद से पूछना चाहिए, शायद, अगर भगवान का उद्देश्य संवाद करना है तो उन्होंने इस पुस्तक के एक तिहाई हिस्से के लिए कविता का उपयोग क्यों करना चुना? मैं सुझाव देता हूं कि इसका कारण यह है कि कविता कुछ चीजों को किसी भी अन्य तरीके से बेहतर तरीके से संप्रेषित करती है। और यदि यह सच है, अर्थात्, यदि कविता का उपयोग जानबूझकर, दैवीय रूप से प्रेरित है, जो कि पवित्रशास्त्र में है, तो मुझे लगता है कि हमें कहना होगा, तो भगवान ने हमारे साथ संवाद करने के लिए कविता का उपयोग किया। और फिर, केवल भजनों की किताब में ही नहीं, पूरी बाइबल में, रहस्योद्घाटन की किताब तक, वास्तव में, क्योंकि कविता सबसे अच्छी तरह वही कहती है जो वह कहना चाहता था।

और शायद यहीं उसका महत्वपूर्ण जोर है। यदि कविता भाषा का उपयोग करने का एक और तरीका है, और यदि कविता वास्तविकता के बारे में सोचने का एक और तरीका है, तो हमें उस भाषा का उपयोग करने और उसका उपयोग करने का तरीका भी सीखने की ज़रूरत है। हमें वैचारिक भाषा, शब्दों, छवियों और चीजों को एक साथ रखने के तरीके का उपयोग करना सीखना होगा जो हमें बाइबिल की कविताओं में मिलता है।

ताकि जब हम स्तोत्रों की पुस्तक उठाएँ, तो हम कहें, मैं सिर्फ भगवान के बारे में एक बयान नहीं दे रहा हूँ, ठीक है, भगवान राजा हैं, ठीक है, मुझे बात समझ में आ गई है। यदि वह बस इतना ही कहना चाहता, तो बस इतना ही होता। लेकिन वह उस एक वाक्य पर नहीं रुकते।

इसके बजाय, वह 12 या 13 या 15 या 30 छंदों तक चलता है, क्योंकि वह चाहता है कि हम सोचें कि उस कथन का क्या अर्थ है। और जब हम कविता के तकनीकी पहलुओं, जैसे अनाफोरा, भजन 13 के बारे में बात करते हैं, तो हे भगवान, तुम कब तक मुझसे दूर रहोगे? कब तक मुँह छिपाओगे? मुझे कब तक करना होगा, कब तक? खैर, किसी भी कविता को समझने का हिस्सा

उस कलात्मकता की सराहना करना है जिसके साथ इसे बनाया गया है। वह व्यक्ति जो मोजार्ट सोनाटा की सबसे अधिक सराहना करता है वह वह व्यक्ति है जिसने वास्तव में पियानो या वायलिन या जो कुछ भी हो उसे बजाने की कोशिश की है।

वह व्यक्ति जो सुपर बाउल में कार्टरबैक ड्रा की सबसे अधिक सराहना करता है, वह व्यक्ति है जिसने शायद कम से कम अपने परिवार के साथ थैंक्सगिविंग पर थोड़ा टच फुटबॉल खेला हो। किसी भी कविता की सबसे अच्छी सराहना वह व्यक्ति करता है जो कविता की भाषा को समझता है। आप जानते हैं, और इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करूंगा, एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका में, वे इस तथ्य का हवाला देते हैं जो इतना प्रसिद्ध है कि वे इस पर फुटनोट भी नहीं करते हैं।

यदि आप स्वयं इस प्रयोग को आजमाते हैं, तो आप जिस भी कस्बे या शहर के आसपास रहते हैं, उसकी सड़कों पर कागज के दो टुकड़े लेकर जाएं, जिनमें से एक में एक छोटी कविता हो, और एक में एक छोटा पैराग्राफ हो। 10 लोगों को रोकें और उनमें से पाँच से पूछें, क्या आप कृपया इसे पढ़ेंगे, क्या आप कृपया इस कविता को ज़ोर से पढ़ेंगे? और जब वे ऐसा कर लें, तो उन्हें पैराग्राफ पढ़ने के लिए कहें। बाकी पांच लोग उनसे पहले पैराग्राफ पढ़ने को कहते हैं, फिर कविता पढ़ने को।

और आप बस इतना ही कहते हैं. क्या आप कृपया यह कविता पढ़ेंगे? क्या आप कृपया इस अनुच्छेद को ज़ोर से पढ़ेंगे? इससे आगे कुछ मत कहो. और आप उन्हें बताएं कि आप एक प्रयोग कर रहे हैं।

100 में से 99 से अधिक मामलों में आप यही पाएंगे। वह व्यक्ति, जब उन्हें पता चलेगा कि वे एक कविता पढ़ रहे हैं, तो उनकी आवाज़ बदल जाएगी, उनकी मुद्रा बदल जाएगी, शब्दों का उच्चारण करने का तरीका बदल जाएगा, और जिस विचारशीलता के साथ वे पाठ पढ़ते हैं वह बदल जाएगा। अब अपने आप से पूछें, पिछली बार कब किसी पूजा सेवा में मैंने एक भजन को उसी ध्यान से पढ़ते हुए सुना था जैसे मैंने डॉ. पुलाम को पढ़ते हुए सुना था, भारी क्या है, पानी भारी? आखिरी बार मैंने इस विषय पर कोई भजन या कोई बाइबिल कविता कब पढ़ी थी, उसी सोच-विचार के साथ जैसे मैं रॉबर्ट फ्रॉस्ट की 'स्टॉपिंग बाय वुड्स ऑन ए स्नोई इवनिंग' पढ़ सकता था? मैं आपको दोषी महसूस कराने की कोशिश नहीं कर रहा हूँ।

वह लक्ष्य नहीं है. इसके बजाय यह है कि अगर ये चीजें वास्तव में कविताएं हैं, तो हमें खुद को कविता की भाषा के बारे में सोचना फिर से सिखाने की जरूरत है ताकि हम उनकी सराहना कर सकें क्योंकि किसी कविता की सराहना उसे समझने का हिस्सा है।

यह डॉ. फ्रेड पटनम भजन की पुस्तक पर अपने चार में से दूसरे व्याख्यान में थे।